Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 1

– Save This Page as a PDF–

चतुर प्रबंधक का दृष्टांत

लूका १६:१-१५

खुदाई: यीशु के शिष्यों के लिए इस दृष्टांत को सुनना क्यों महत्वपूर्ण होगा? प्रबंधक स्वयं को किस संकट में पाता है? वह क्या योजना बनाता है? इस धोखे के प्रकाश में, अमीर आदमी प्रबंधक की सराहना क्यों करता है? येशु इस दृष्टांत को अपने प्रेरितों पर कैसे लागू करता है? आप क्या सोचते हैं कि प्रभु यहाँ किसकी सराहना कर रहे हैं? पद १०-१२ आपको मसीह की बात को समझने में कैसे मदद करते हैं? दो स्वामियों की सेवा करने का प्रयास करने में क्या समस्या है? जो फ़रीसी सुन रहे हैं उनके रवैये का क्या वर्णन है? मसीहा उनसे बात करने के लिए दृष्टांत का उपयोग कैसे करता है?

चिंतन: आप अपने पैसे को कैसे देखते हैं: (ए) यह मेरा है, अपना हाथ दूर रखें? (बी) यह मेरे लेनदार हैं? (सी) यह परमेश्वर का है – मैं बस इसे प्रबंधित करता हूं? क्यों? आप इसे राज्य के लिए कैसे उपयोग कर सकते हैं? आपने अतीत में जिन “मास्टरों” की सेवा की है उनमें से कुछ कौन या कौन हैं? इस समय कौन से “स्वामी” आप पर निष्ठा के लिए चिल्ला रहे हैं? मसीह के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के आलोक में आप इन आवाज़ों से कैसे निपटते हैं?

चतुर प्रबंधक के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु उस महान दिन के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है जिसमें परमेश्वर के आने वाले राज्य का हिसाब देना होगा।

यीशु ने अपने प्रेरितों से कहा: एक अमीर आदमी था जिसके प्रबंधक पर उसके वित्त को बुद्धिमानी से न संभालकर उसकी संपत्ति बर्बाद करने का आरोप लगाया गया था। यीशु के दिनों में प्रबंधकों को अक्सर अमीर लोगों द्वारा अपनी संपत्ति के वित्त की देखभाल के लिए नियुक्त किया जाता था। ऐसे प्रबंधक की तुलना आधुनिक समय के वित्तीय प्रबंधक या ट्रस्टी से की जा सकती है, जो उस संपत्ति के लिए अधिक पैसा कमाने के उद्देश्य से किसी संपत्ति के वित्त को नियंत्रित करता है। इसलिए उसने उसे अंदर बुलाया और उससे पूछा, “यह क्या है जिसके बारे में मैंने सुना है आप? अपने प्रबन्ध का लेखा दे, क्योंकि तू अब और प्रबन्धक नहीं रह सकेगा” (लूका १६:१-२)।

प्रबंधक ने खुद से कहा, “अब मैं क्या करूँ? मेरा मालिक मेरी नौकरी छीन रहा है. मैं खुदाई करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं हूं, और मुझे भीख मांगने में शर्म

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 2

आती है। अपनी प्रबंधकीय भूमिका के अंतिम घंटों में, नौकरी से निकाले जाने के बाद वह अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कुछ करेंगे। मैं जानता हूं कि मैं क्या करूंगा ताकि, जब मैं यहां अपनी नौकरी खो दूं, तो लोग अपने घरों में मेरा स्वागत करें” (लूका १६:३-४)। ध्यान दें कि प्रबंधक के कार्य उसके अमीर मालिक को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह से उसके अपने स्वार्थ के लिए प्रतीत होते हैं।

प्रबंधक ने लगभग अपनी आजीविका खो दी थी और यह उस व्यक्ति की एक उपयुक्त तस्वीर है जो मृत्यु का सामना करता है और मृत्यु के बाद अपने भविष्य के बारे में सोचना शुरू कर देता है। वह पहचानता है कि उसे एक असंभव कार्य का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वह खोदने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं है, और भीख माँगने में उसे शर्म आती है। वह अपने उद्धार का कार्य करने में असमर्थ है और अक्सर इसके लिए दूसरे पर निर्भर रहने में बहुत घमंडी होता है। लेकिन वह चतुर और साधन संपन्न था, इसलिए उसने मन ही मन तर्क किया और जल्द ही एक चतुर योजना पर निर्णय ले लिया।



इसलिए उसने चुपचाप अपने स्वामी के प्रत्येक
कर्ज़दार को एक निजी सम्मेलन में बुलाया। उसने पहले से पूछा, “तुम्हारा मेरे स्वामी पर कितना कर्ज़ है?” “नौ सौ गैलन (या ३,००० लीटर) जैतून का तेल,” उन्होंने उत्तर दिया। प्रबंधक ने उससे कहा, “अपना बिल लो, जल्दी से बैठ जाओ और इसे साढ़े चार सौ बनाओ।” फिर उसने दूसरे से पूछा, “और तुम पर कितना बकाया है?” “एक हजार बुशेल (या तीस टन) गेहूँ,” उसने उत्तर दिया। उसने उससे कहा, “अपना बिल ले और आठ सौ बना दे” (लूका १६:५-७)।

धनी व्यक्ति ने बेईमान प्रबंधक की सराहना की क्योंकि उसने चतुराई से काम लिया था (लूका १६:८ए)। पाठक अपेक्षा करता है कि अमीर मालिक प्रबंधक को उसकी बेईमानी के लिए डांटेगा, आलोचना करेगा, निंदा करेगा, दंडित करेगा या उसकी निंदा करेगा। लेकिन दृष्टांत में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, और गुरु न केवल उसकी निंदा करता है, बल्कि उसने उस बदमाश की सराहना भी की। एक कुशल कथाकार के रूप में प्रभु का कौशल यहाँ स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। लेकिन इस दृष्टांत में यीशु ऐसे व्यक्ति की सराहना कैसे कर सकते हैं? क्या यह बेईमानी को पुरस्कृत और प्रोत्साहित नहीं

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 3

करता है?

यह एकमात्र दृष्टांत नहीं है जिसमें संदिग्ध चरित्र और नैतिकता वाले लोगों की सराहना की जाती है। छिपे हुए खजाने के दृष्टांत में (Fb – छिपे हुए खजाने का दृष्टांत देखें), वह व्यक्ति, जिसका व्यवहार एक उदाहरण के रूप में कार्य करता है, अनुकरणीय साधनों से कम तरीकों से खजाना प्राप्त करता है (मालिक को अपनी संपत्ति की जांच करने के लिए समय लेना चाहिए था) अधिक क़रीबी)। हो सकता है कि उसने खेत के खजाने को प्राप्त करने के लिए धोखाधड़ी या धोखाधड़ी न की हो, लेकिन उसे सुनहरे नियम का पालन करने वाले व्यक्ति के उदाहरण के रूप में रखना असंभव है (मती ७:१२)। इसी तरह, दस कुंवारियों के दृष्टांत में (देखें Jw – दस कुंवारियों का दृष्टांत) विश्वासी को उन बुद्धिमान कुंवारियों का अनुकरण करना सिखाया जाता है जिन्होंने अपना तेल जरूरतमंद लोगों के साथ साझा नहीं किया। क्या हमें इस उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए या क्या हमें उस व्यक्ति को देना चाहिए जो आपसे पूछता है, और जो आपसे उधार लेना चाहता है उससे मुंह न मोड़ें (मत्तीयाहू ५:४२)?

ये दृष्टांत जो समस्या खड़ी करते हैं वह स्वयं दृष्टान्तों के उद्देश्य और कार्य के बारे में भ्रम के कारण है। चर्च के इतिहास में दृष्टांतों को अक्सर रूपक के रूप में समझा जाता है जिसमें प्रत्येक विवरण का अर्थ और महत्व होता है। यह विशेष रूप से अच्छे सामरी के दृष्टांत के बारे में सच था।

लेकिन आज, बाइबिल के विद्वानों के बीच आम सहमति है कि दृष्टांत रूपक नहीं हैं। दृष्टांतों में एक मूल बिंदु होता है। विवरण आम तौर पर महत्वहीन होते हैं और अर्थ के लिए उन्हें दबाया नहीं जाना चाहिए (या विस्तार से नहीं बताया जाना चाहिए)। किसी भी सादृश्य की प्रकृति यह गारंटी देती है कि तुलना के मूल बिंदु से परे दबाए जाने पर सादृश्य अंततः टूट जाएगा। उदाहरण के लिए, ईश्वर का राज्य केवल ईश्वर के राज्य के समान है, और कोई भी सादृश्य इसके सभी विवरणों में यहोवा के अनुरूप नहीं हो सकता है क्योंकि कोई भी या कुछ भी अनंत, सर्वज्ञ, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान नहीं है लेकिन एडोनाई है। इसलिए, यदि इस दृष्टांत में विवरण नहीं डाला गया है, तो अनुमानित समस्या गायब हो जाएगी।

यह वृत्तांत लूका १५ का अनुसरण करता है, जो इस बात पर जोर देता है कि ईश्वर खोए हुए लोगों को बचाना चाहता है। चतुर, या विवेकपूर्ण, प्रबंधक का दृष्टांत प्रेरितों और सुनने वालों को परमेश्वर की कृपा का जवाब देने की उनकी आवश्यकता को दिखाने के लिए बनाया गया है। जिस प्रबंधक को उसके पद से बर्खास्त किया जा रहा है, वह अपने अमीर मालिक के देनदारों के लिए ऋण कटौती की योजना शुरू करके, प्रत्येक ऋण को कम करके अपने लिए एक सुरक्षित भविष्य की गारंटी देने की योजना बनाता है।

प्राचीन दुनिया में, रिश्ते पारस्परिकता के सिद्धांत पर बनाए जाते थे – एक एहसान का बदला। अपने अमीर मालिक के प्रति कर्ज़दार लोगों के दायित्वों को कम करके,

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 4

चतुर प्रबंधक ने अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया। जिन लोगों ने उसकी दयालुता से लाभ उठाया था, भले ही वे धोखेबाज थे, वे उसके प्रति उचित अच्छा व्यवहार प्रदर्शित करने के लिए बाध्य होंगे।

अमीर मास्टर अपनी ज़रूरत को पहचानने और उसके सामने आए अवसर का लाभ उठाने में प्रबंधक की चतुराई की सराहना करता है। उद्धारकर्ता के मंत्रालय ने लोगों को अपने भविष्य के बारे में कुछ करने का अवसर दिया। यीशु का संदेश: पश्चाताप करो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है, जिससे उसके श्रोताओं को विवेकपूर्ण होने और खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। बुद्धिमान व्यक्ति ईश्वर की कृपा और प्रशंसा प्राप्त करके ऐसे अवसर का जवाब देगा। ईश्वर अन्यायी प्रबंधक के प्रति स्वामी से भी अधिक दयालु है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने क्या किया है, वह कृपापूर्वक आपको माफ कर देगा और आपको स्वीकार करेगा।

चतुर प्रबंधक ने अच्छा काम नहीं किया था। लेकिन चतुराई का तात्पर्य किसी नैतिक गुण से होना ज़रूरी नहीं है। यहां उन्होंने अपने भविष्य का बीमा करने के लिए भौतिक चीजों का उपयोग करके खुद को नौकरी से निकाले जाने के लिए तैयार किया था। यीशु यह नहीं सिखा रहे थे कि उनका शिष्य बेईमान होना चाहिए। सांसारिक लोगों के लिए हिब्रू और यिडिश दोनों में अधिक सेखेल होता है, जिसका अर्थ सामान्य ज्ञान, व्यावहारिक बुद्धि या स्मार्ट होता है। ग्रीक में मुहावरा है फ्रोनिमोटरोइ ईसिन, जिसका अर्थ है अधिक विवेकपूर्ण। तो इस पद का अनुवाद किया जा सकता है: क्योंकि सांसारिक लोगों के पास अधिक व्यावहारिक बुद्धि होती है या वे उन लोगों की तुलना में अधिक विवेकशील होते हैं जिन्होंने प्रकाश प्राप्त किया है – अपने ही प्रकार के लोगों के साथ व्यवहार करने में (लूका १६:८बी)! विश्वासियों को दैवीय चीज़ों के संबंध में उतनी ही विवेकशीलता से काम करना चाहिए जितना अविश्वासी सांसारिक चीज़ों के संबंध में करते हैं। इसके साथ ही यह दृष्टान्त समाप्त हो जाता है।

मसीह ने अपने प्रेरितों पर दृष्टान्त के तीन अनुप्रयोग किये। पहले आवेदन में, उन्होंने कहा: मैं तुमसे कहता हूं, अपने लिए मित्र प्राप्त करने के लिए सांसारिक धन का उपयोग करें, ताकि जब यह समाप्त हो जाए, तो अनन्त घरों में आपका स्वागत किया जाएगा (लूका १६:९)। विश्वासियों को संपत्ति या सांसारिक धन के विवेकपूर्ण उपयोग द्वारा ईश्वर के आने वाले राज्य के लिए खुद को तैयार करना था। एक है नेक उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग करना, ताकि उनके मित्र (परमेश्वर पिता और येशुआ पुत्र), उनका अपने शाश्वत घर में स्वागत कर सकें, ठीक उसी तरह जैसे प्रबंधक अपने नए खरीदे गए “दोस्तों” से उम्मीद कर सकता है कि वे अपने सांसारिक घरों में उसका स्वागत करेंगे। इसलिए, दृष्टांत विश्वासियों को चालाक चोर बनने के लिए प्रोत्साहित नहीं करता है, बल्कि कम से कम दृष्टांत में बदमाश के रूप में विवेकपूर्ण होने और उस महान दिन के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित करता है जिसमें परमेश्वर को हिसाब देना होगा (२ कोर ५:१०; इब्रानियों ९:२७).

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 5

फिर यीशु ने दूसरा प्रयोग करते हुए कहा: जिस पर बहुत थोड़े से भरोसा किया जा सकता है, उस पर बहुत अधिक भरोसा भी किया जा सकता है (लूका १६:१०)। महानता के किसी भी रूप में एक सामान्य विभाजक है – विश्वसनीयता। यह उपलब्धि की मूल विशेषता है। यह सेवानिवृत्ति पेन, हॉल ऑफ फेम पुरस्कार और स्वर्ण वर्षगाँठ के पीछे साझा घटक है। यह वह गुण है जो क्षणिक वीरता नहीं बल्कि स्मारकीय जीवन पैदा करता है।

बाइबिल का अपना हिस्सा है. . . सुसंगत और पूर्वानुमेय, इन विश्वासियों को आंतरिक स्तर के दृढ़ विश्वास से प्रेरित किया गया था कि स्वयं एडोनाई ने उन्हें बुलाया था। परिणामस्वरूप, उनका काम मूड, बादल वाले दिनों या पथरीले रास्तों से प्रभावित नहीं होता था। उनके प्रदर्शन का ग्राफ रोलर-कोस्टर अनियमितता के साथ ऊपर-नीचे नहीं हुआ। वे प्रशंसा या तालियों के आदी नहीं थे और न ही क्रोधी मालिकों या खाली बटुए से डरते थे। और चूँकि उनकी वफ़ादारी उनके आराम से निर्धारित नहीं होती थी, इसलिए वे अंधेरी जेलों में भी उतने ही वफ़ादार थे जितने कि वे सुर्खियों के मंच पर थे।

और जो बहुत थोड़े के साथ बेईमान है, वह बहुत के साथ भी बेईमान होगा। इसलिए यदि आप सांसारिक धन को संभालने में भरोसेमंद नहीं हैं, तो सच्चे धन के मामले में आप पर कौन भरोसा करेगा? और यदि तू किसी दूसरे की सम्पत्ति के विषय में विश्वासयोग्य न रहा, तो तेरी अपनी सम्पत्ति तुझे कौन देगा (लूका १६:११-१२)? हमारी सांसारिक संपत्ति हमें एक अमानत के रूप में दी गई है। हम इसे स्थायी रूप से तभी प्राप्त कर सकते हैं जब हम इसका उपयोग ईश्वर की सेवा में उचित रूप से करें। यदि हम अपने पवित्र विश्वास का दुरुपयोग करते हैं, तो इसे किसी भी क्षण हमसे छीना जा सकता है।

येशुआ ने दृष्टान्त से जो तीसरा प्रयोग किया वह यह था कि कोई भी दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता। या तो तुम एक से घृणा करोगे और दूसरे से प्रेम करोगे, या तुम एक के प्रति समर्पित रहोगे और दूसरे को तुच्छ समझोगे। आप परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते (लूका १६:१३; मत्ती ६:२४)। धन का प्रेम मनुष्य को एडोनाई से दूर कर देगा (प्रथम तीमुथियुस ६:१०); इसके विपरीत, ईश्वर से प्रेम करने से व्यक्ति पैसे को अपने जीवन का केंद्र बिंदु नहीं बनाएगा।

हालाँकि शुरुआत में येशुआ अपने शिष्यों को संबोधित करता है, यहाँ, हम सीखते हैं कि फरीसियों, जो पैसे से प्यार करते थे, ने यह सब सुना और यीशु पर व्यंग्य कर रहे थे (लूका १६:१४)। उनका मानना था कि किसी व्यक्ति का धन ईश्वर की कृपा का एक निश्चित संकेत है। उन्होंने सिखाया, “एडोनाई जिस से प्रेम करता है, उसे वह धनी बना देता है।” उस ने उन से कहा, तुम तो वही हो, जो दूसरों के साम्हने अपने आप को धर्मी ठहराते हो, परन्तु परमेश्वर तुम्हारे मनों को जानता है। इस्राएल के राजा के रूप में विद्रोही शाऊल के स्थान पर दाऊद को चुनने में, परमेश्वर ने भविष्यवक्ता शमूएल को यिशै के पुत्र का चयन करने के लिए बेथलेहेम जाने का आदेश दिया। जब वह पहुंचा, तो शमूएल ने एलीआव (जेसी के बड़े बेटे) को देखा और सोचा, “यह

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 6

मेरे सामने, एडोनाई का अभिषिक्त व्यक्ति होगा।” परन्तु एडोनाई ने शमूएल से कहा, “एलियाव कैसा दिखता है या वह कितना लम्बा है, इस पर ध्यान मत देना, क्योंकि मैंने उसे अस्वीकार कर दिया है। मैं चीजों को उस तरह नहीं देखता जिस तरह मनुष्य चीजों को देखते हैं – मनुष्य बाहरी रूप को देखते हैं, लेकिन मैं हृदय को देखता हूं” (प्रथम शमूएल १६:६-७)। जिसे लोग अत्यधिक महत्व देते हैं वह परमेश्वर की दृष्टि में घृणित है (लूका १६:१५)। फरीसियों ने जिस तरह से इस दृष्टांत पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, उसके कारण यीशु उन्हें उन पर निर्देशित एक और दृष्टांत सुनाएंगे।

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय रहा है।

अब मेरा एक मित्र था, और उसकी पत्नी कतूरा की मित्र थी; और वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके पास हमेशा दुर्भाग्य था। और वह मेरे पास आया और बोला, मुझे एक सौ डॉलर उधार दो, और मैं तुम्हें अपना नोट दे दूंगा; हाँ, और मैं तुम्हें ब्याज और छह प्रतिशत की दर से भुगतान करूंगा।

और मैं ने उसे रुपए उधार दे दिए, यद्यपि मुझे उस की आवश्यकता थी; और उसने मुझे न तो सौ डॉलर का भुगतान किया और न ही ब्याज का। हाँ, ब्याज का भुगतान करना उनके सिद्धांत के अनुरूप नहीं था, न ही सिद्धांत का भुगतान करना उनके हित के अनुरूप था। लेकिन जब भी वह मुझसे मिले, उन्होंने कई वादे किये और कई माफ़ी मांगी; और जब उसकी पत्नी कतूरा से मिली, तो वह लज्जित हुई।

अब क्रिसमस निकट आ रहा था, और केतुरा ने कहा, आइए हम उस नोट को रद्द कर दें, और क्रिसमस के लिए उन्हें भेज दें। और मुझे इससे छुटकारा पाकर ख़ुशी हुई।

इसलिए मैं नोट लाया, और मैंने उसे बैठाया, और मैंने अपना पेन और अपना इंक हॉर्न लिया, और मैंने आकृतियाँ बनाईं।

और कतूरा ने कहा, सफेद, तू क्या कर रहा है?

और मैंने कहा, मैं ब्याज की गणना कर रहा हूं; क्योंकि यह नोट दिए हुए सात साल हो गए हैं, और सौ डॉलर दो सौ हो गए थे, या लगभग; और मैं आसानी से समझ पाऊंगा कि हम कितना उपहार बना रहे हैं।

Hw – चतुर प्रबंधक का दृष्टांत लूका १६:१-१५ | 7

और कतूरा ने कहा, सुरक्षित, मैं तुझ से लज्जित हूं। क्या आप किसी उदार कार्य को अपनी कल्पना में बड़ा करने का प्रयास किये बिना नहीं कर सकते? क्या आप बिना हिसाब के देने को तैयार नहीं हैं? तब आप देने का वास्तविक आनंद नहीं जान पाएंगे। हाँ, और आप ग़लत मानते हैं। यदि आप ब्याज की गणना और चक्रवृद्धि द्वारा एक सौ डॉलर को दो सौ बनाने में सक्षम होंगे, तब भी क्या इससे आपका उपहार नहीं बढ़ेगा। आप जो दे रहे हैं वह वह पैसा नहीं है जो आपने उधार दिया था, क्योंकि वह चला गया है, और नोट पैसे के लायक नहीं है; आप अपने अभागे मित्र को मानसिक शांति दे रहे हैं। जिसकी कीमत हमें नहीं मिलती वह कागज का एक टुकड़ा है, लेकिन उसका मूल्य चांदी में नहीं गिना जा सकता।

अब जब मैं ने ये बातें सुनीं, तो मेरे हृदय में चुभन हुई। और मैं ने कहा, हे मेरी प्रिय, सब बुद्धिमान स्वर्गदूतों की बेटी, तेरी आत्मा शुद्ध सोने की है, और तेरी वाणी बुद्धि की वाणी है। देख, कुछ लोगों ने तेरे पति को उदार पुरूष कहा है, परन्तु तू तो मुझ से कहीं अधिक उदार है। क्योंकि जो कोई देता और मानता है, उसकी उदारता में अब भी कंजूसी की झलक है; परन्तु तुम देते हो और हिसाब नहीं लेते; हाँ, और इसी प्रकार आपने हमेशा दिया है।

और मुझे ये बातें याद आईं, और मैंने अच्छे ईश्वर के बारे में सोचा, जो माप के अनुसार नहीं, बल्कि देता है। और मैंने प्रार्थना की, और मैंने कहा, हे मेरे ईश्वर, हमारी उदारता की मितव्ययिता को क्षमा करें।